PAGE:
DATE: / /

25/7/19

पाठ-3

रीढ़ की हड्डी

प्र०-1 रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद बात-बात पर "एक हमारा ज़माना था?" कहकर अपने समय की तुलना वर्तमान समय से करते है। इस प्रकार की तुलना करना कहाँ तक तर्कसंगत है?

उ०-1 रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद का अपने ज़माने की तुलना वर्तमान समय से करना कुछ हद तक तो उचित है किन्तु उस जमाने की अपेक्षा आज का युग आधुनिक उच्च तकनीकी शिक्षा खेल और जीवन शैली के सहारे विकास की ओर अग्रसर है अतः वह बीता हुआ ज़माना याद करना विकास की गति पर विराम लगाने की दिशा मे लेता चला जायेगा।

प्र०-2 रामस्वरूप का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलवाना और विवाह के लिए छिपाना, यह विरोधाभास उनकी किस विवशता को उजागर करता है?

उ०-2 रामस्वरूप की विवशता यह है कि आधुनिक समाज पढ़ी-लिखी लड़की

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

को पसन्द करता है किन्तु जहाँ उनसे विवाह करना वे उच्च शिक्षा को पसन्द नहीं करते। विवाह की समस्या ही उसकी वास्तविकता और दिखावे की विवशता को उजागर करती है।

प्र-3 अपनी बेटी का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे है, वह उचित क्यों नहीं है?

उ-3 अपनी बेटी का रिश्ता करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे है वह इसलिए उचित नहीं है क्योंकि ऐसा करके वे उच्च शिक्षा प्राप्त एक मुखर व्यक्तित्व को भी बेबस अनपढ़ या लाचार औरत की स्थिति की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे है।

प्र०-4 गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिज़नेस' मानते है और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते है। क्या आप मानते है कि दोनों ही समान रूप से अपराधी है? अपने विचार लिखें।

उ-4 गोपालदास द्वारा "विवाह" को बिजनेस कहना या मानना पूर्णतया गलत है। क्योंकि विवाह बिजनेस न होकर दो आत्माओं का मिलन है, जिसमें स्त्री व पुरुष एक दूसरे के साथ एक साझा कार्यक्रम बनाकर जीवन निर्वाह करते है। इस साझा कार्यक्रम को बनाते समय पति-पत्नी के बीच पारदर्शिता का होना बहुत आवश्यक होता है। अन्यथा उन दोनों का जीवन नरक बन जाता है। इस तरह से गोपाल प्रसाद विवाह को बिजनेस यदि मानता है तो वह शुद्ध रूप से अपराधी है और साथ ही साथ रामस्वरूप उमा द्वारा प्राप्त उच्च शिक्षा को वर पक्ष के लोगों से छुपाता है तो वह भी दोषी है। हालांकि परिस्थितियों को देखते हुए उसे कुछ हद तक दोष मुक्त किया जा सकता है।

प्र०-5 "... आप के लाड़ले बेटे की रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं...." उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की किन कमियों की ओर संकेत करना चाहती है?

PAGE:
DATE: / /

उ०-5 उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की चरित्रहीनता और आवारागर्दी जैसी कमियों की ओर संकेत करना चाहती है।

प्र०-6 शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की -समाज को कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उ०-6 समाज को उमा जैसी लड़की के व्यक्तित्व की आवश्यकता है। क्योंकि स्पष्टवादी दृढ़निश्चयी और साहसी व्यक्तित्व ही सामाजिक जीवन को सही दिशा दे सकता है।

प्र०-7 'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

उ०-7 'रीढ़ की हड्डी' शरीर के सन्तुलन को बनाने में प्रमुख भूमिका निभाती है। रीढ़ की हड्डी विचारों का भी प्रतीक है। जिसके विचार ही दृढ़ नहीं होंगे वह जीवन के किसी भी क्षेत्र में कमजोर सिद्ध होगा।

PAGE:
DATE: / /

प्र०-8 कथावस्तु के आधार पर आप किसे एकांकी का मुख्य पात्र मानते हैं और क्यों?

उ०-8 कथावस्तु के आधार पर उमा एकांकी की प्रमुख पात्र है क्योंकि अन्य पात्र उसके विवाह और विचारों पर आश्रित है।

प्र०-9 एकांकी के आधार पर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताए बताइए।

उ०-9 एकांकी के आधार पर रामस्वरूप संकोची, विवश, और अधीर होने वाले पात्र है। गोपाल प्रसाद दोहरी मानसिकता वाले रूढ़िवादी तथा कटुसत्य को सहन कर पाने में असमर्थ पात्र है।

प्र०-10 इस एकांकी का क्या उद्देश्य है? लिखिए।

उ०-10 एकांकी का उद्देश्य स्त्रियों का समाज में प्रतिष्ठा दिलाना है।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

प्र-11 समाज मे महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते है?

उ०-11 समाज मे महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु हम उन्हे उच्च शिक्षा दिलाना तथा उनमे सामुदायिक और सामाजिक भावना विकसित करने का प्रयास कर सकते है।

30.7.19

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera